selections will be made from various fields.

Technical Institute in Madhya Pradesh Similar to YMCA, Faridabad

*651. SHRI SUBHASH YADAV: Will the Minister of EDUCATION be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up an Institute in Madhya Pradesh similar to the YMCA Institute at Faridabad;

(b) if so, whether the site has been selected for the purpose; and

(c) financial implications thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL): (a) to (c). No, Sir. However, the Government of Madhya Pradesh had sent a project report for West German assistance for the setting up of such an Institute. After reject appraisal, the West German Government did not favour extending assistance to the setting up of the proposed Institute.

श्री शिव कुमार सिंह ठाकुर : यंग मैन ऐसोसियेशन के बारे में बहुत से लोगों की राय यह है कि, और विशेष कर हमारे श्री केयर भूषण को जो रायपुर से चुन कर आते हैं, यह ऐसोसियेशन भी पोलिटिकल ऐक्टिविटीज में भाग लेने लगी है और ऐंटोनेशनल ऐक्टिविटीज भी इसकी काफ़ी ज्यादा है। मैं मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि क्या आप इसकी जांच करायेंगी ?

श्रीमती शीला कौल : मान्यवर, कि कोई इत्तला नहीं है, न जानकारी है इसका पोलिटिकल इन्वाल्वमेंट कोई है।

MR. SPEAKER: Question No. 652, Shri B. D. Singh. Absent.

Question No. 653. Shri Ghulam Rasool Kochack, Absent.

Question No. 654. Shri Balasaheb Vikhe Patel — No.

Question No. 655. Shri Satyanarayan Jatiya, Absent.

इन्दिरा कला और संगीत विश्वविद्यालय : खैरागढ़

*656. श्री केयूर भूषण : क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश सरकार ने इंदिरा कला और संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ को केन्द्रीय विश्वविद्यालय घोषित करने के संबंध में कोई प्रस्ताव भेजा है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस मामले की वर्तमान स्थिति क्या है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

SHRI SATISH AGARWAL: The other Mnisters have mainpulated.

MR. SPEAKER: I will take action!

श्री केयूर भूषण : अध्यक्ष जी, हां और नहीं में जो जवाब दिया गया है यह पूरे तरीके से इसकी जानकारी नहीं ली गयी है, और पूरे तथ्य सामने नहीं आये हैं ऐसा मालूम पड़ता है, क्योंकि मध्य प्रदेश शासन से जो जानकारी मिली है और 6 फरवरी, 1982 को जो हमें जानकारी दी गई है उसके मुताबिक खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में लिये जाने का प्रस्ताव वहां से भेजा गया है। मगर यहां हमें नहीं का उत्तर मिला है। और इसलिये दूसरा भी प्रश्न नहीं उठता यह जवाब आ गया। मगर

यह जानकारी के आधार पर, यह जो एक तो सही जानकारी नहीं मिली है, इसीलिये फिर से आप जानकारी दें, साथ ही साथ मेरा निवेदन है कि हिन्दुस्तान में खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय एक मात्र विश्वविद्यालय है जो पूरे देश के संगीत से संबंधित विद्यालय है उससे अफ़ीलियेटड हैं, इसको फिर से लें। और मेरा निवेदन है कि ऐसा विश्वविद्यालय आर्थिक दृष्टि से जो कमजोर प्रान्त है वहां स्थित है और पूरे देश के विद्यार्थी वहां पढ़ रहे हैं, साथ ही साथ देश से बाहर के विद्यार्थी भी यहां आ कर के अध्ययन प्राप्त करते हैं। ऐसे संस्थान को अभी केवल मध्य प्रदेश शासन 6 करोड़ कुछ लाख रु० ही सहायता कर पाता है। तो ऐसे विश्वविद्यालय की ओर क्या केन्द्रीय शिक्षा विभाग का ध्यान गया है और उसके विकास के लिये उनके पास कोई योजना है ?

श्रीमती शीला कौल: मान्वर, यह जो इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय है यह 1956 में मध्य प्रदेश के लेजिस्लेशन से बनाया गया था .....इसका असली बुनियादी काम था कि ऊंचे तबके को संगीत और फ़ाइन आर्ट्स में शिक्षा दी जायेगी। जैसा माननीय सदस्य ने कहा है, यह बात सही है कि इसके नीचे 30 कालेज एफ़िलिएटेड हैं, और भी कुछ डिपार्टमेंट्स इसमें हैं और इसमें लड़के पी० एच० डी० के लिये पढ़ते भी हैं। इस यूनिवर्सिटी को बने 25,26 साल हो गये, जब कि रानी खैरागढ़ ने इसको शुरू किया था, लेकिन उसके बाद यह अपने आपको डैवलप नहीं कर सकी। हमारे देश में जो मुख्तलिफ़ किस्म के नृत्य और संगीत होते हैं, वह उसमें नहीं हैं। खास थोड़े-थोड़े हैं, उन्हीं पर ध्यान दिया जाता है।

हमारे यहां ऐसा कोई इन्तजाम नहीं है कि स्टेट की यूनिवर्सिटी को सैंटर ले लें। सैंटर खोल लेती है लेकिन सैंटर किसी एग्जिस्टिंग यूनिवर्सिटी को नहीं लेती है जैसे सिक मिलों को सैंटर ले लेती है। जो यूनिवर्सिटीज़ एग्जिस्ट करती हैं, हम चाहते है कि हम उनके डैवलपमेंट में मदद करें और स्टेट गवर्नमेंट उसके काम को करें।

इसमें भी ऐसा ही हुआ है, यू० जी० सी० ने इसको डैवलपमेंट ग्रान्ट दी है, फ़ाइव ईयर प्लान में 36 लाख की ग्रांट दी थी और इस्तेमाल हुई है 7 लाख से भी कम। बड़ा मुश्किल हो जाता है जब पहली ग्रान्ट दी गई हो, वही इस्तेमाल न हो तो और ग्रान्ट किस रूल से दे सकें, यह रूल हमारे पास नहीं है।

श्री आर० एन० राकेश : इंदिरा यूनिवर्सिटी.....

श्रीमती शीला कौल : इसमें मज़ाक मत कीजिये। रानी साहिब खैरागढ़ की जवान लड़की थीं, उनका नाम था इंदिरा उनकी जवान मृत्यु हो गई थी, उनकी याद में यह कालेज खोला गया था। यह हंसी की बात नहीं है।

श्री केयूर भूषण : जिस तरीके से बताया गया है कि एक छोटे से स्थान में इसकी स्थापना हुई है और मध्य प्रदेश शासन, प्रादेशिक शासन इसको संचालित करे, मगर मैं यह निवेदन करना चाहता हूं कि यहां पर अखिल भारतीय स्तर के विद्यालय इससे एफ़िलिऐटेड हैं। आपने स्वयं स्वीकार किया है कि 30 महाविद्यालय एफ़िलिऐटेट हैं जिसमें भारतीय कला केन्द्र, नई दिल्ली, आई० टी० सी० संगीत रिसर्च एकेडैमी भी इससे संबंधित हैं। इसी तरह से देश से अन्य विद्यालय भी इससे संबंधित हैं। जब सारे देश का सम्बन्ध उससे जुड़ा हुआ है तो उसको यह बताना कि बहुत कमजोर स्थान है,

इसलिये हम इसको विकसित नहीं कर सकते, या उस क्षेत्र को केवल पैसे के माप से मापना, अखिल भारतीय विश्व विद्यालय के रूप से, विदेशों के विद्यार्थी भी यहां पढ़ते हैं, तो यह केन्द्रीय शासन की और शिक्षा समाज की भी जिम्मेदारी होती है इसलिये उस तरफ़ ध्यान दिया जाना चाहिये। मैं जानना चाहता हूं कि इसके विकास करने की स्थिति क्या है ?

श्रीमती शीला कौल : मैंने यह कभी नहीं कहा कि वह कमजोर जगह पर है। मैं चाहती थी कि उस बात का ज़िक्र न करूं, जिससे इतनी अच्छी संस्था के खिलाफ़ मैं कुछ कह दूं लेकिन चूंकि अब इन्होंने कहा है तो मुझे कहना पड़ रहा है।

यूनिवर्सिटी में ऐसा होता है कि मुख्तलिफ़ डिसिप्लिन्स होते हैं और यहां किसी चीज़ के लिए फ़ैसिलिटी नहीं है– कर्नाटक म्यूज़िक के लिये नहीं है, रवीन्द्र संगीत के लिये नहीं है, ओ० डी० सी० डांस के लिये नहीं है, भरत नाट्यम के लिये नहीं है, मणिपुर डांस के लिये नहीं है। यह सारी चीजें वहां नहीं हैं। जो थोड़ा बहुत कर रहे हैं, वह अच्छा कर रहे हैं, लेकिन जब तक यह चीज़ पूरी नहीं हो जायेगी, मुश्किल होगा। ग्रान्ट भी यूटिलाइज़ नहीं की गई है, पौने सात लाख रुपये दी गई है।

श्री मूलचन्द डागा : सवाल तो यह था.....

MR. SPEAKER: Not allowed.

श्री मूलचन्द डागा : यह बड़ा महत्व- पूर्ण सवाल था।

MR. SPEAKER: Next question. Shri Fernandes—Absent. Shri S. M. Krishna—Absent. What has happened to the members today? Members on this side also are in the same category. Next question.

Appointment of Retired Government Officials in Central Universities

+

*658. SHRI CHANDRADEO PRASAD VERMA:

SHRI ASHFAQ HUSAIN:

Will the Minister of EDUCATION be pleased to lay a statement showing:

(a) the criteria for appointing Retired Government Officials in Central Universities;

(b) how many retired Government Officials have been appointed in JNU (till date);

(c) details of such officials and the posts they held in Government before retirement;

(d) terms and conditions of the appointment;

(e) will Government discontinue the practice of appointing retired Government officials in Universities in view of large scale unemployment in the country; and

(f) if not, reasons thereof;

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF EDUCATION AND CULTURE AND SOCIAL WELFARE (SHRIMATI SHEILA KAUL): (a) to (f). A statement is laid on the Table of the Sabha.